मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन और विरासत को समर्पित एक विशेष प्रदर्शनी का किया आयोजन

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के डॉ. ज़ाकिर हुसैन पुस्तकालय ने विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति के सहयोग से महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर उनके आदर्शों, दर्शन और योगदान की स्मृति में 'महात्मा गांधी: उनका जीवन और समय' विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन जामिया के कुलपति और कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रो. मज़हर आसिफ़ ने किया। प्रदर्शनी में गांधीजी के निजी कागजात प्रदर्शित किए गए साथ ही हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी भाषा में महात्मा गांधी पर पुस्तकों के साथ-साथ तस्वीरों के एक समृद्ध संग्रह के माध्यम से गांधीजी के जीवन और कार्यों को प्रदर्शित किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, रजिस्ट्रार, जेएमआई; प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल, डीन छात्र कल्याण और विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष; डॉ. विकास एस. नागराले, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष; श्री कैसर एन.के. जानी, अतिथि वक्ता; और डॉ. उमैमा, संयोजक विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति उपस्थित थीं। डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशक, प्रोवोस्ट, प्रॉक्टर, आईसीसी अध्यक्ष सहित सभी गणमान्य व्यक्ति प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रदर्शनी का समन्वय और परिचय डॉ. उमैमा ने दिया।

प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद महात्मा गांधी के जीवन और विरासत को याद करते हुए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान की आयतों के पाठ और उनके अनुवाद के साथ हुई, इसके बाद अतिथियों का अभिनंदन और जामिया तराना का भावपूर्ण गायन हुआ।

प्रो. आसिफ़, कुलपति, जेएमआई ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि महात्मा गांधी द्वारा परिकल्पित नई तालीम मूल्य-आधारित और कौशल-उन्मुख शिक्षा पर जोर देती है। उन्होंने गांधीजी के तीन प्रमुख सिद्धांतों पर जोर दिया जिन्हें हर किसी के जीवन में शामिल किया जाना चाहिए: आवेगपूर्ण प्रतिक्रिया के बजाय विचारपूर्वक प्रतिक्रिया देना, सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना और हमेशा विनम्रता के साथ सच बोलना।

जेएमआई के रजिस्ट्रार और कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. रिज़वी ने अपने विशेष संबोधन में महात्मा गांधी के अहिंसा के दर्शन के स्थायी महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिबिंबित किया कि सच्ची शांति और स्थिरता केवल लोगों के दिलों और दिमागों को जीतकर और सकारात्मक और दयालु मानसिकता के माध्यम से सद्भाव को बढ़ावा देकर प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि महात्मा गांधी स्वदेशी आंदोलन के अग्रदूत थे, जो आज भी, खासकर भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के संदर्भ में बहुत प्रासंगिकता रखते हैं।

श्री कैसर एन.के. जानी ने अपने मुख्य भाषण में महात्मा गांधी के जामिया मिल्लिया इस्लामिया के साथ दीर्घकालिक संबंधों का गहन अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने हमारी शिक्षा में, विशेष रूप से भाषा और सांस्कृतिक प्रथाओं के माध्यम से, स्वदेशी की भावना को शामिल करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रवाद और धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक रहा है। उन्होंने सभी से दैनिक जीवन में गांधीजी के आदर्शों को

अपनाने, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति और स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने का आग्रह किया, जिससे महात्मा गांधी के सिद्धांतों और दृष्टिकोण को जीवित रखा जा सके।

प्रो. नीलोफर अफजल, डीन, छात्र कल्याण, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने परिचयात्मक भाषण में जामिया मिल्लिया इस्लामिया और महात्मा गांधी के बीच गहरे और दीर्घकालिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे गांधीजी के दृष्टिकोण, मार्गदर्शन और अटूट समर्थन ने विश्वविद्यालय की नींव और मूल्यों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आगे इस बात पर ज़ोर दिया कि जामिया सत्य, सादगी, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा के सिद्धांतों को अपनाता आ रहा है—ये आदर्श गांधीजी के दर्शन के केंद्र में थे और आज भी संस्थान के चरित्र का अभिन्न अंग हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विकास एस. नागराले ने माननीय कुलपति के अटूट समर्थन और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने निरंतर मार्गदर्शन और मार्गदर्शन के लिए जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) मोहम्मद महताब आलम रिज़वी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉ. ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी को गांधी जयंती समारोह का अवसर प्रदान करने के लिए जेएमआई की छात्र कल्याण डीन प्रो. नीलोफर अफ़ज़ल का भी हार्दिक आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में, उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना और उसके संचालन में महात्मा गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका और योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्था के निरंतर विकास और अस्तित्व को सुनिश्चित करने में गांधीजी के समर्पित प्रयासों और अटूट समर्थन पर ज़ोर दिया। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि महात्मा गांधी के आदर्श और दर्शन आज की दुनिया में भी बेहद प्रासंगिक हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान, डॉ. ज़ाकिर हुसैन पुस्तकालय के संग्रह में उपलब्ध महात्मा गांधी पर आधारित पुस्तकों की एक ग्रंथ सूची का औपचारिक विमोचन किया गया। इस ग्रंथ सूची में महात्मा गांधी द्वारा रचित कृतियों की एक विस्तृत सूची के साथ-साथ हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में गांधीजी पर लिखी गई पुस्तकें भी शामिल हैं।

इसके बाद जेएमआई के छात्र कल्याण डीन कार्यालय के संगीत क्लब के छात्रों द्वारा "रघुपति राघव राजा राम" भजन का भावपूर्ण और मनमोहक गायन प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा, छात्र कल्याण डीन कार्यालय के डिबेट-क्लब के छात्रों ने हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में प्रेरक भाषण देने में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के लिए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन जेएमआई के छात्र कल्याण डीन कार्यालय की विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ. उमैमा ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय, जेएमआई के सूचना वैज्ञानिक श्री जोहान मोहम्मद मीर ने किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी